MPPSC UPSC

MPSI IAS IPS

भारत दुनिया में मानव जनित सल्फर डाइऑक्साइड का सबसे बड़ा उत्सर्जनकर्ता

प्रष्ठभूमि :- पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ग्रीनपीस NGO ने 19 अगस्त को एक रिपोर्ट जारी किया है। यह रिपोर्ट नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के आंकड़ो के विश्लेषण पर आधारित होने का दावा किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत अब दुनिया में मानव जनित (Man Made) सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) का सबसे बड़ा उत्सर्जनकर्ता है। यह उत्सर्जन कोयला जलाने से उत्पन्न होता है और वायु प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी बहुत ज्यादा होती है।

अध्ययन प्रक्रिया :- NASA के OMI (Ozone Monitoring Instrument) उपग्रह द्वारा पता लगाए गए दुनिया के सभी मानव जनित SO_2 उत्सर्जन के हॉटस्पॉट की तुलना में भारत में 15% अधिक है। ये हॉटस्पॉट भारत के मध्यप्रदेश के सिंगरौली, तमिलनाडु के नवेली और चेन्नई, ओडिशा के तालचेर और झारसुगुड़ा, छत्तीसगढ़ के कोरबा, गुजरात के कच्छ, तेलंगाना के रामागुंडम और महाराष्ट्र में चंद्रपुर और कोराडी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रूस का नोरिल्स्क स्मेल्टर कॉम्प्लेक्स दुनिया में (SO_2) उत्सर्जन का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट है, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका के म्पुमलांगा प्रांत का क्रिएल और ईरान का जागरोज है।

मुख्य तथ्यों पर एक दृष्टि :- भारत सरकार ने केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने देश में SO_2 के उत्सर्जन को कम करने के लिए कई कदम उठाये हैं। इसी के तहत दिसम्बर, 2015 में कोयले से चलने वाले देश के सभी पॉवर प्लांट्स से SO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए सीमा निश्चित की थी। सरकार ने देश में डीसल्फराईजेशन तकनीक की अंतिम समय सीमा 2022 तय की है।

विश्व में सबसे ज्यादा SO_2 उत्सर्जित करने वाले पांच देश :-

देश	किलोटन प्रति वर्ष
01) भारत	586
02) रूस	683
03) चीन	578
04) मेक्सिको	897
05) ईरान	820

SO_2 उत्सर्जन के प्रभाव :- वायु प्रदूषण में SO_2 उत्सर्जन का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। वातावरण में SO_2 का सबसे बड़ा स्त्रोत बिजली संयंत्रों और अन्य औद्योगिक ईकायों में जीवाश्म ईंधनों का जलना है। इस रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण का संबंध सीधा लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। विश्व की 91 प्रतिशत आबादी उन इलाकों में रहती है, जहां बाहरी वायु प्रदूषण विश्व स्वास्थ संगठन (WHO) की तय सीमा को पार कर चुका है। परिणाम यह है कि प्रत्येक साल 40 लाख से अधिक लोगों की मौत वायु प्रदूषण से हो रही है।

SO_2 उत्सर्जन को कैसे नियंत्रित करें ? :- पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, भारत को कोयला बिजली संयंत्रों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण न फैलाने वाले ईंधनों की तरफ जाना चाहिए। वायु प्रदूषण और जलवायु आपातकाल का एक ही समाधान है।

Online Test Series
www.kautilyaacademy.in
CONTACT - +91 9111010991, 9425068121, 8718990943
Payal Plaza, Bhawarkuan Rd, Opp Bhawarkuan Police Station, Professor's Colony, Vishnu Puri Colony, Indore, Madhya Pradesh 452001

केन्द्र सरकार ने अर्धसैनिक बलों की सेवानिवृत्ति आयु तय की

पृष्ठभूमि :- केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सभी अर्धसैनिक बलों में सभी रैंक के कर्मियों हेतु सेवानिवृत्ति आयु 60 साल तय कर दी है। गृह मंत्रालय का यह आदेश दिल्ली हाईकोर्ट के जनवरी 2019 में दिए गए फैसले के बाद आया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार से कहा था कि सभी रैंक के लिए एक सेवानिवृत्ति आयु निर्धारित करें। फैसले से पहले अलग-अलग रैंक के लिए अलग-अलग सेवानिवृत्ति आयु निर्धारित थी।

आदेश का प्रभाव :- यह आदेश तत्काल प्रभाव से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और असम राइफल्स में लागू होगा।

मौजूदा नीति के अनुसार :- मौजूदा नीति के अनुसार, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और असम राइफल्स के जवान 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं। हालांकि सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी में कांस्टेबल से कमांडेंट स्तर के कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 57 वर्ष है जबकि उनसे उच्च पदस्थ अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 साल है।

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल :- वर्तमान में पांच प्रमुख केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल हैं। इनमें लगभग दस लाख जवान कार्यरत हैं। ये सभी जवान सीमाओं की सुरक्षा से लेकर विभिन्न आंतरिक सुरक्षा ड्यूटियों में तैनात रहते हैं। इस फैसले से उन सभी सेनानी और उनके नीचे रैंक के कर्मियों जो इस संख्या का 60 प्रतिशत भाग हैं, उन्हें इसका लाभ मिलेगा।

Online Test Series
www.kautilyaacademy.in
CONTACT - +91 9111010991, 9425068121, 8718990943
Payal Plaza, Bhawarkuan Rd, Opp Bhawarkuan Police Station, Professor's Colony, Vishnu Puri Colony, Indore, Madhya Pradesh 452001

गृह मंत्रालय के आदेश :- गृह मंत्रालय ने सभी बलों को निर्देश दिये गए हैं कि वो अदालत के आदेश का अनुपालन करें और नियमों के प्रावधान में बदलाव करें। इन बलों को देश भर में आंतरिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रकार के दायित्व सौंपे जाते हैं। इस विभिन्न प्रकार के दायित्व में सीमा की निगरानी, आतंकवाद और नक्सल - विरोधी अभियान एवं कानून - व्यवस्था बनाए रखना शामिल है।

हाईकोर्ट ने दिया था चार माह का समय :- दिल्ली हाईकोर्ट ने जनवरी 2019 में अपने आदेश में चार अर्द्धसैनिक बलों (सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी) में सेवानिवृत्ति की अलग - अलग उम्र की मौजूदा नीति को भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने सरकार को आदेश लागू करने के लिए चार महीने का समय दिया था। गृह मंत्रालय ने सेवानिवृत्ति के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर यह फैसला लिया है।

INDORE

By- Pankaj Bodiya

Online Test Series
www.kautilyaacademy.in
CONTACT - +91 9111010991, 9425068121, 8718990943
Payal Plaza, Bhawarkuan Rd, Opp Bhawarkuan Police Station, Professor's Colony, Vishnu Puri Colony, Indore, Madhya Pradesh 452001